STATE EXPERT APPRAISAL COMMITTEEMINUTES OF 28April, 2025 788thMEETING

The 788th meeting of the State Expert Appraisal Committee (SEAC) was held on 28th April, 2025 under the Chairmanship of Shri Rakesh Kumar Shrivastava for the projects which are scheduled in the agenda. Following members attended the meeting in person or through video conferencing -

1. Shri Vijay Kumar Ahirwar, Member.
2. Dr. Rakesh Kumar Pandey, Member.
3. Dr. Pallavee Bhatnagar, Member.
4. Dr. Sunita Singh, Member.
5. Dr. Sushil Manderia, Member.
6. Shri A.A. Mishra, Member Secretary.

The Chairman welcomed all the members of the State Expert Appraisal Committee. After that agenda items- wise taken up for deliberations.

1. <u>Case No. P2/14/2024 Smt. Shashi Dwivedi, R/o- 96, Balvant Nagar Gandhi Road Gwalior, District- Gwalior, (M.P.), Pin- 484440 Prior Environment Clearance for Atalpur Stone Quarry in an area of 2.00 ha. (5700 cum per year) (Khasra No. 734/9/1), Village-Atalpur, Tehsil-Badarwas, District-Shivpuri (MP) [DEIAA]. (Referred Back by SEIAA- DEIAA Case Query Rply)</u>

- Earlier this case was recommonded for EC through SEAC 724th Dated 17.02.2024. to SEIAA.
- SEIAA referred back this case in their 882nd SEIAA meeting dated 27/03/2025 to SEAC.

13. प्रकरण क्र. P2/14/2024 परियोजना प्रस्तावक श्रीमती शशि द्विवेदी पत्नि श्री अरूण द्विवेदी, निवासी– 96, बलवंत नगर, गांधी रोड़ ग्वालियर (म.प्र.) द्वारा पत्थर खदान (ओपनकास्ट सेमी मेकेनाईज्ड विधि), उत्पादन क्षमता 5700 घनमीटर प्रतिवर्ष, रकबा 2.00 हेक्टेयर, खसरा 734/9/1, ग्रम अटलपुर, तहसील बदरवास, जिला शिवपुरी (म.प्र.) की पूर्व पर्यावरणी स्वीकृति के लिये आवेदन।

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) की 724 वीं बैठक दिनांक 17.02.2024 में उक्त प्रकरण में विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तो (परिशिष्ट–ए) सहित पर्यावरणीय स्वीकृति जारी किये जाने हेतु अनुशंसा की गई है।

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) की 841 वी बैठक दिनांक 28.03.2024 में प्रकरण में पर्यावरणीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा व परामर्श निम्नानुसार निर्णय लिया गया :–

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत अनुमोदित खनन योजना के अक्षांश देशांश के आधार गूगल ईमेज के अनुसार खदान क्षेत्र का बैरियर जोन तथा बैरियर जोन के आगे भी खुदा हुआ परिलक्षित है जिससे प्रतीत होता है कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा लीज क्षेत्र के बाहर अवैध उत्खनन किया गया है। अतः कलेक्टर शिवपुरी से स्पष्ट अभिमत प्राप्त किया जाये कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा स्वीकृत लीज एरिया के बाहर कितना खनन किया गया है और बिना अनुमति अवैध उत्खनन किये जाने के विरूद्ध क्या कार्यवाही की गई है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा नियमानुसार स्वीकृत लीज एरिया के चारो ओर 7.5 मीटर का बैरियर जोन छोड़ा जाना था लेकिन इस प्रकरण में बैरियर जोन में भी खुदाई की गई है जो नियमानुसार उचित नहीं है। अतः परियोजना प्रस्तावक द्वारा लीज एरिया में की गई खुदाई को रि–स्टोर कर पूर्व स्थिति में लाया

जाये एवं फोटोग्राफ मय अक्षांश देशांश के शीघ्र प्रस्तुत किये जायें। खुदे हुए बैरियर जोन के संबंध में यदि संबंधित विभाग द्वारा कोई कार्यवाही की गई है तो उसका विवरण भी प्रस्तुत किया जाये।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्राधिकरण के उपरोक्त निर्णय के परिपालन में ऑनलाईन ADS एवं ई–मेल के माध्यम से कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) शिवपुरी का प्रस्तुत पत्र दिनांक 10.07.2024 एवं संलग्न शपथ पत्र व दस्तावेजों के अनुसार लेख किया गया है कि खनि पट्टे के बैरियर जोन में परियोजना प्रस्तावक द्वारा भूलवश खुदाई कर दी गई जिसे रिस्टोर किया जायेगा एवं भविष्य में इस तरह की भूल नहीं की जायेगी।

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) द्वारा प्रकरण पर विस्तृत चर्चा एवं विचार विमर्श उपरांत निर्णय लिया गया कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा खनि पट्टे के बैरियर जोन में भारत सरकार के कार्यालयीन ज्ञापन दिनांक 08.01.2019 की कंडिका VIII के बिन्दु I के अनुसार 7.5 मीटर बैरियर जोन में ग्रीन बेल्ट डेव्हवलेप किया जाना अनिवार्य है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा भारत सरकार की उक्त कंडिका का उल्लघन किया जाना प्रतीत होता है। अतः प्रकरण उपरोक्त के दृष्टिगत स्पष्ट अभिमत हेतु SEAC को अग्रेषित किया जाये। तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को सूचित किया जाये।

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 28/04/2025 को परियोजना प्रस्तावक के पर्यावरणीय सलाहकार श्री रामराघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आई.एन.सी., वड़ोदरा (गुजरात) उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया।

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने परियोजना प्रस्तावक के शपथ पत्र तथा जिला खनिज अधिकारी, के पत्र क्रमांक 919 दिनांक 10/07/2024 का अवलोकन से पाया कि बैरियर जोन में किये गये खनन का भराव कार्य जारी है अतः उक्त कार्य पूर्ण होने पर पुनः शपथ पत्र तथा संबंधित खनिज अधिकारी का पालन प्रतिवेदन प्राप्त होने पर प्रकरण पर विचार किया जावेगा।

2. <u>Case No 9348/2022 Shri Sanjeev Kumar Dixit, Owner, R/o-MS 51, Sector D, Aliganj, Lucknow District-Lucknow(U.P.). Prior Environment Clearance for Stone Mine in an area of 4.00 ha. (1,50,000 cum per annum) (Khasra No. 133 (P)) Village-Saila, Tehsil-Maharajpur, District Chhatarpur (M.P.) EIA</u>

प्रकरण आज सेक की 788वीं बैठक दिनांक 28/04/25 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक / उनके पर्यावरणीय सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए ना ही वर्चुअल संपर्क किया गया। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक से प्रस्तुतीकरण हेतु अनुरोध प्राप्त होने के पश्चात प्रकरण की समीक्षा हेतु विचार किया जा सकेगा ।

3. **Case No 8924/2022 Shri Maya Dixit, Owner, Maya Dixit D/o Shri Ramswaroop DwivediR/o Subhash Bazaar Hameerpur (U.P.). Prior Environment Clearance for Stone Mine in an area of 4.00 ha. (50]000 cum per annum) (Khasra No133 (P)) Village- Saila, Tehsil Maharajpur, Distt. Chhatarpur (M.P.) (MIN/457062/2023) (EIA)**

प्रकरण आज सेक की 788वीं बैठक दिनांक 28/04/25 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक / उनके पर्यावरणीय सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए ना ही वर्चुअल संपर्क किया गया। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक से प्रस्तुतीकरण हेतु अनुरोध प्राप्त होने के पश्चात प्रकरण की समीक्षा हेतु विचार किया जा सकेगा ।

4. <u>Case No. P-2/530/24 SHRI BALAJI STONE CRUSHER AND EARTH MOVERS, Owner, Village- Harsola, Tehsil- Mahow, District- Indore (M.P). Prior Environment Clearance for Basalt Stone in an area of 3.50 ha. (Basalt Stone – 22800 M3/Year) (Khasra No. 424), Vill. Ambachandan, Tehsil – Mhow, Distt. Indore (M.P.), B-2 Query Reply.</u>

- Earlier this case was discussed wherein after discussion following query was issued in the SEAC 748th meeting Dated 03.05.2024 to PP.

  प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत खदान क्षेत्र की के.एम.एल. ईमेज/कोर्डीनेट्स, माइनिंग प्लान मे दिये गये कोर्डीनेट्स से भिन्न है, अतः समिति की अनुशंसा है कि परियोजना प्रस्तावक इस खदान के को–आर्डिनेट संबंधित खनिज अधिकारी से प्रमाणीकृत कराकर समिति के समक्ष पुनः ऑन–लाईन (ए.डी.एस. के पश्चात्) प्रस्तुत करें ताकि प्रकरण में आगामी कार्यवाही सुनिश्चित् की जा सके।

प्रस्तावित खदान बी–2 श्रेणी के अंतर्गत पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति का है, जिसमें आज दिनांक 28 April 2025 को परियोजना प्रस्तावक के पर्यावरणीय सलाहकार श्री वरूण भारद्वाज, मेसर्स जेनिथ इन्वायरो कन्सलटेन्सी नोयडा उपस्थित हुए ।

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत खदान क्षेत्र की केएमएल इमेज के अनुसार खदान क्षेत्र पहले से खुदा हुआ प्रतीत होता है। परंतु परियोजना प्रस्तावक के अनुसार ये खनन उसके द्वारा नहीं किया गया है । अतः समिति की अनुशंसा है कि परियोजना प्रस्तावक इस खनन के सबंध में खनिज अधिकारी से जानकारी प्राप्त कराकर समिति के समक्ष पुनः ऑनलाइन (ए.डी.एस. के पश्चात) प्रस्तुत करें ताकि प्रकरण में आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

5. Case No. P2/810/24 Shri Karan Singh Thakur, Director, PRATHVI INFRASTRUCTURE PRIVATE LIMITED R/o- 23 Royal Residency Indore, District- Indore, M.P. Prior Environment Clearance for Basalt Stone and Murrum in an area of 3.90 ha. (Basalt Stone – 90,000 m3/Year and Murrum – 12000 m3/Year) (Khasra No. 3), Village Jamanya Jagir, Tehsil Mhow, District Indore (M.P.). [MIN/466613/2024] EIA.

- Earlier this case was recommonded for TOR was recommonded through SEAC 757th Dated 24.05.2024 to SEIAA.

प्रकरण में आज दिनांक 28/04/2024 को परियोजना प्रस्तावक श्री करण सिंह ठाकुर, ऑनलाईन एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री राम राघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी, बडौदा, गुजरात उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना का नाम व पता	Shri Karan Singh Thakur, Director, PRATHVI INFRASTRUCTURE PRIVATE LIMITED R/o- 23 Royal Residency Indore, District- Indore, M.P	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	3 (सरकारी –नॉन फॉरेस्ट लेंड)	3.90 hectare.
स्थल	Village Jamanya Jagir, Tehsil Mhow, District Indore (M.P.).	
लीज स्वीकृति	संचालनालय भौमिक तथा खनिकर्म भोपाल के पत्र क्रमांक .2681 दिनांक 29/2/24 के द्वारा स्वीकृत ।	
ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	ब्लास्टिंग प्रस्तावित है ।	
डिया ई.सी. का विवरण (यदि लागू हो)	**डिया इंदौर के पत्र क्रमांक 1409 दिनांक 27/10/2016 के द्वारा Basalt Stone – 96,498 m3/Year हेतु पर्यावरणीय अनापत्ति प्राप्त है ।**	
प्रकरण की स्थिति	नया प्रोजेक्ट (डिया से सिया)	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा Basalt Stone – 90,000 m3/Year and Murrum – 12000 m3/Year हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन् योजना अनुसार Basalt Stone – 90,000 m3/Year and Murrum – 12000 m3/Year	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला इंदौर के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 462 दिनांक 11/3/2024 अनुसार 500 मीटर की परिधि में कोई अन्य खदानें संचालित/स्वीकृत नही है, अतः प्रकरण बी–2 श्रेणी का है।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला इंदौर के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 462 दिनांक 11/3/2024 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।	
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला इंदौर के एकल	

	प्रमाण–पत्र क्रमांक 462 दिनांक 11/3/2024 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/ संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/ तालाब/ बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत पांजरिया जिला इंदौर के ठहराव प्रस्ताव दिनांक 25/4/2011 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन् कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला इंदौर के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक 628 दिनांक 03/4/2024 के द्वारा सूचित किया है कि उक्त उत्खनिपट्टा को अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में सम्मिलित कर लिया जावेगा

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा परिवेश पोर्टल पर एकल प्रमाण–पत्र दिनांक 11/03/2024 अपलोड किया गया है। अतः समिति द्वारा परियोजना प्रस्तावत को निर्देशित किया गया है कि **LATEST DGM cluster certificate/District Mininig Officer certificate प्रस्तुत करें, ताकि प्रकरण में वस्तुस्थिति बी–1/बी–2 स्पष्ट होने पर प्रकरण पर तद्नुसार विचार किया जावेगा।**

6. <u>Case No 10685/2023 Shri Pawan Khatik, Partner, M/s S.S. Infra, R/o Veer Sawarkar Market, Dukar No. 5, District-Shivpuri (MP)-473551, Prior Environment Clearance for Muhal Dehar Stone Quarry in an area of 3.279 ha. (38,475 cum per year) (Khasra No. - 119), Village-Muhal Dehar, Tehsil-Shadhora, District-Ashok Nagar (M.P.). DEIAA Case . Referred Back case by SEIAA. EIA.</u>

- Earlier this case was recommonded for EC through SEAC 759th SEAC Meeting Dated 25/05/2024.
  to SEIAA.
- SEIAA referred back this case in their 878nd SEIAA Meeting dated 17/03/2025 to SEAC.

27. प्रकरण क्र. 10685/2023 परियोजना प्रस्तावक मेसर्स एस.एस. इन्फ्रा, पार्टनर श्री पवन खटीक, निवासी– वीर सावरकर मार्केट दुकान नं. 05, जिला शिवपुरी (म0प्र0) द्वारा पत्थर खदान (ओपनकास्ट सेमी मैकेनाईज्ड विधि), उत्पादन क्षमता 38475 घनमीटर प्रतिवर्ष, रकबा 3.279 हेक्टेयर, खसरा नम्बर 119, ग्राम मुहालढेहर, तहसील शाढौरा, जिला अशोकनगर (म.प्र.) की पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के लिये आवेदन।

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) की 759वीं बैठक दिनांक 28.05.2024 में उक्त प्रकरण में विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तो (परिशिष्ट–ए) सहित पर्यावरणीय स्वीकृति जारी किये जाने हेतु अनुशंसा की गई है।

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) द्वारा प्रकरण का अवलोकन करने पर प्रथम दृष्टया निम्ननुसार स्थिति पाई गई :–

1. परियोजना प्रस्तावक द्वारा परिवेश पोर्टल पर ई.आई.ए. रिपोर्ट आपलोड नही किया गया है।

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) द्वारा प्रकरण में पर्यावरणीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा व परामर्श उपरांत निर्णय लिया गया कि उपरोक्त बिन्दु कमांक 1 के दृष्टिगत प्रकरण पुनः परीक्षण हेतु SEAC को अग्रेषित किया जाये। तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को सूचित किया जाये।

प्रस्तावित खदान बी–1 श्रेणी अथवा (डिया) श्रेणी के अन्तर्गत द्वारा जारी पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के लिये पूर्व मूल्यांकन से संबंधित है, जिसमें आज दिनांक 28.05.2024 को परियोजना प्रस्तावक श्री पवन खटीक ऑनलाईन मीटिंग में जुड़ें एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री राम राघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी, बडौदा, गुजरात उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक का नाम व पता	मैसर्स एस.एस. इंफ्रा पार्टनर – श्री पवन खटीक निवासी : सिसौदिया कॉलोनी रोड, टेलीफोन एक्सचेंज के पास, जिला–गुना (म.प्र.)	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	खसरा नं.– 119 ग्राम – मुहालढ़ेहर, तहसील –शाढ़ौरा, जिला –अशोकनगर (म.प्र.) (सरकारी), गैर वन भूमि	3.279 Hectare.
स्थल	खसरा नं. 119 ग्राम – मुहालढ़ेहर, तहसील –शाढ़ौरा, जिला –अशोकनगर (म.प्र.)	

लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला अशोकनगर के पत्र क्रमांक -802, दिनांक 29.12.2016 के द्वारा 10 वर्ष कि कालावधि के लिये स्वीकृति है। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला अशोकनगर के पत्र क्रमांक -417, दिनांक 11.07.2019 के द्वारा शेष अवधि के लिये हस्तातंरण।
ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन् योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है,
प्रकरण की स्थिति	डिया प्रोजेक्ट
डिया ई.सी. का विवरण (यदि लागू हो)	डिया के पत्र क्रमांक 12/ डिया/16 दिनांक 20/12/2016 के द्वारा पत्थर–38475 घनमीटर/वर्ष पत्थर हेतु पर्यावरणीय अनापत्ति प्राप्त है।
टॉर	सेक की 698वी बैठक दिनांक 03/08/2023 को अनुशंसित, सिया के पत्र क्रमांक 2473/SEIAA/2023 दिनांक 05/01/2024 के द्वारा टॉर जारी किया गया है, जिसके अनुसार परियोजना प्रस्तावक द्वारा ईआईए रिपोर्ट समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई है ।
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा पत्थर–38475 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन् योजना अनुसार पत्थर–38475 घनमीटर/वर्ष है।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला अशोकनगर के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक खनिज/2023/646 दिनांक 06/09/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 02 अन्य खदानें संचालित/स्वीकृत है, इस प्रकार इस खदान को मिलाकर कुल रकबा 10.868 हे. होता है, अतः प्रकरण बी–1 श्रेणी का है।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	वनमंडलाधिकारी, सामान्य वनमंडल अशोकनगर से प्राप्त प्रतिवेदन पत्र क्रमांक खनिज/2023/646 दिनांक 06/09/2023 अनुसार नेशनल पार्क एवं जैव विविधता 10 की.मी. की परिधि पर नहीं हैं एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला अशोकनगर के एकल प्रमाण–पत्र क्रमांक खनिज/2023/646 दिनांक 06/09/2023 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट नाला इत्यादि नहीं है
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	कार्यालय नगर परिषद, शाढ़ौरा जिला अशोकनगर के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक/2016/385 दिनांक 17.5.2016 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन् कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
क्रेशर की स्थिति	लीज क्षेत्र के अन्दर क्रेशर प्रस्तावित है
प्रस्तावित स्थत पर वृक्षों की वर्तमान स्थिति	पेड़ काटे जाने है तो उनका विवरण .00 काटे गये पेड़ो के एवज में लगाये जाने वाले पेड़ों की संख्या 00
प्रस्तावित स्थल की	दक्षिण पूर्व दिशा में 207 मीटर की दुरी पर छोटी तलैया है पूर्व दिशा में लगा हुआ हॉल रोड है

गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	उत्तर दिशा में 285 मीटर के दुरी पर शेड बने हुए है
प्रस्तावित खदान की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.– 24 के सरल क्रमांक–12 पर दर्ज है
जन सुनवाई	प्रस्तावित खदान की दिनांक .19/04/2024 को संपन्न हुई रोजगार दिया जाये गाँव में विकास हेतु कार्य किये जाये पानी का छिड़काव किया जाये वृक्षारोपण का प्रबंध किया जाये उपरोक्त आपत्तियॉ/सुझाव प्राप्त हुए, जिसे पर्यावरणीय प्रबंधन योजना/सी.एस.आर में बजट के साथ शामिल किया गया है ।

After the detailed discussion in presentation the committee has asked PP to submit following information for further consideration of the project:

- TOR compliance must be specific and with reference to EIA chapter details.
- TOR points reply marked as noted/blank must be addressed properly.
- To upgrade /justify the relevant portions of EIA (uploaded with ADS reply) as discussed during presentation.
- To revised CER as per suggested by the committee

7. Case No 11270/2024 Shri Sushil Pathak, Authorized Person, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)-462011, Prior Environment Clearance for Salaiya Sand Quarry in an area of 15.290 ha. (220176 cum per year) (Khasra No. 1, 125, 126, 240), Village-Salaiya, Tehsil-Badwara, District-Katni (MP). Sand-Query reply.

- Earlier this case was discussed wherein after discussion following query was issued in the SEAC 749th meeting Dated 13.05.2024 to PP.

प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि खदान क्षेत्र वन सीमा से शून्य मी. पर स्थित है अतः समिति ने परियोजना प्रस्तावक को निर्देश दिये कि संभागीय आयुक्त से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करें तत्पश्चात प्रकरण पर विचार किया जावेगा।

प्रस्तावित खदान बी–1 श्रेणी के अंतर्गत पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के मूल्यांकन का है, जिसमें आज दिनांक 28/04/2025 को परियोजना प्रस्तावक के पर्यावरणीय सलाहकार संचित कुमार on-line मेसर्स कॉग्नीजेंस रिर्सच इंडिया प्राइवेट लिमिटेड उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक के सलाहकार द्वारा अवगत कराया गया कि उनके द्वारा संभागीय आयुक्त, कार्यालय कमीश्नर, जबलपुर संभाग का पत्र क्रमांक 3018 दिनांक 14/06/2024 प्राप्त कर लिया गया है जिसको समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्त संबंध में अवगत कराया गया कि–

- कार्यालय कमीश्नर, जबलपुर संभाग में आवेदित क्षेत्र वन सीमा से शून्य मीटर की दूरी पर होने के कारण आवेदित क्षेत्र से 50 मीटर प्रतिबंधित क्षेत्र में ग्रीन बेल्ट तैयार करने की शर्तों पर सर्व सम्मति से अनापत्ति प्रदान करने का निर्णय लिया गया जिस पर परियोजना प्रस्तावक द्वारा 50 मीटर प्रतिबंधित क्षेत्र में ग्रीन बेल्ट हेतु सरफेस प्लान प्रस्तुत नहीं किया गया।
- जीपीएस कोर्डिनेट क्रमांक 16 से क्रमांक 21 तक लीज एरिया को छोड़कर शेष लीज एरिया खनन हेतु उपयोग में लिया जा सकता है। लीज से लगा हुआ फारेस्ट एरिया खनन कार्य हेतु पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

समिति द्वारा उपरोक्त जानकारी के परिप्रेक्ष्य में निर्णय लिया कि आवेदित क्षेत्र वन सीमा से शून्य मीटर की दूरी पर है। अतः पर्यावरणीय संवेदशीलता की दृष्टि से परियोजना प्रस्तावक द्वारा लीज एरिया जीपीएस कोर्डिनेट क्रमांक 16 से क्रमांक 21 तक गैर खनन क्षेत्र मानते हुये संशोधित सरफेस मेप प्रस्तुत करें ताकि प्रकरण पर समिति द्वारा विचार किया जा सकेगा।

8. Case No 11282/2024 Shri Sushil Pathak, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP)- (EIA). Sand Mine in area of 7.30 Hectare, Khasra No.- 01, in Village - Bhimpar, Tehsil - Vijayraghavgarh, District - Katni (MP), Maximum Production – 1,05,120 cum per annum [472586] (EIA QUERY REPLY)

Earlier this case was discussed in 755th SEAC Meeting dated 21-05-2024 wherein following query was issued

755वी राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 21 मई 2024 परियोजना प्रस्तावक द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण उपरांत अवगत कराया गया कि गुगल ईमेज के अनुसार लीज क्षेत्र से डाउन स्ट्रीम में 209 मी. पर एक रोड ब्रिज है। निर्धारित 250 मी. का सेट बेक देने के उपरांत माईनेबल एरिया 3.25 हे. खनन हेतु लीज क्षेत्र उपलब्ध होता है, साथ ही यह पाया गया कि लीज क्षेत्र वन क्षेत्र से 250 मी. के अंदर स्थित है। अतः नियमानुसार राजस्व आयुक्त समिति से उत्खनन हेतु अनापत्ति प्राप्त किया जाना आवश्यक है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा उक्त अनापत्ति पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है।

अतः समिति द्वारा संबंधित खदान को नियमानुसार राजस्व आयुक्त समिति से उत्खनन हेतु अनापत्ति पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करने हेतु ए.डी.एस. जारी किया गया है।

दिनांक 29/04/2025 को परियोजना प्रस्तावक के पर्यावरणीय सलाहकार संचित कुमार on-line मेसर्स कॉग्नीजेंस रिर्सच इंडिया प्राइवेट लिमिटेड उपस्थित हुए ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्त संबंध में अवगत कराया गया कि–

- परियोजना प्रस्तावक द्वारा संभागीय आयुक्त, कार्यालय कमीश्नर, जबलपुर संभाग का पत्र क्रमांक 3018 दिनांक 14/06/2024 को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया।
- परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि कार्यालय कमीश्नर, जबलपुर संभाग में आवेदित क्षेत्र वन सीमा से 110 मीटर की दूरी पर होने के कारण आवेदित क्षेत्र से वन सीमा के नजदीक कक्ष क्रमांक आर.एफ. 20 से 110 मीटर प्रतिबंधित क्षेत्र में ग्रीन बेल्ट तैयार करने की शर्तों पर सर्व सम्मति से अनापत्ति प्रदान करने का निर्णय लिया गया जिस पर परियोजना प्रस्तावक द्वारा वन सीमा के नजदीक कक्ष क्रमांक आर.एफ. 20 से 110 मीटर प्रतिबंधित क्षेत्र में ग्रीन बेल्ट हेतु सरफेस प्लान प्रस्तुत नहीं किया गया।

समिति द्वारा उपरोक्त जानकारी के परिप्रेक्ष्य में निर्णय लिया कि पर्यावरणीय संवेदशीलता की दृष्टि से परियोजना प्रस्तावक द्वारा वन सीमा के नजदीक कक्ष क्रमांक आर.एफ. 20 से 110 मीटर गैर खनन क्षेत्र मानते हुये संशोधित सरफेस मेप प्रस्तुत करें ताकि प्रकरण पर समिति द्वारा विचार किया जा सकेगा।

9. <u>Case No. P2/973/24 M/s SHRI BANKE BIHARI SARKAR STONE CRUSHER, Shri Deepak Goyal S/o Shri Rajendra Prasad Goyal, Partner, 154, Defense Estate Phase-1, Bundu katra Gwaliore Road, Agra, (U.P.), -BILHETI, Tehsil Gird, District Gwalior (M.P.). Prior Environment Clearance for Bilheti Stone Mine in an area of 1.30 ha. (30,000 cum per year) (Khasra No.- 2034), Village-Bilheti, Tehsil & District-Gwalior (MP). Form-2 DEIAA to SEIAA. B2 Case Referred back by SEIAA.</u>

- Earliar EC Recommended in 764th SEAC Meeting Dated 06/04/2024.(DEIAA case).
- Case sent to SEAC for re-examination in 882nd SEIAA Meeting dated 27/03/2025.

4. प्रकरण क्रमांक P2/973/24 श्री बांके बिहारी सरकार स्टोन क्रेशर एवं श्री दीपक गोयल पुत्र श्री राजेंद्र प्रसाद गोयल, पार्टनर, निवासी 154, डिफेंस एस्टेट फेज–1, बुंदू कटरा ग्वालियर रोड, आगरा, (उ.प्र.) द्वारा पत्थर खदान (ऑपनकास्ट सेमी मैकेनाइज्ड विधि) क्षेत्रफल 1.30 हेक्टेयर, पत्थर उत्पादन क्षमता 30,000 घनमीटर प्रतिवर्ष, खसरा 48, ग्राम बिल्हेटी, तहसील ग्वालियर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति आवेदन।

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (SEAC) की 764वीं बैठक दिनांक 06.06.2024 में उक्त प्रकरण में विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तो (परिशिष्ट–ए) सहित पर्यावरणीय स्वीकृति जारी किये जाने हेतु अनुशंसा की गई है।

प्राधिकरण द्वारा प्रकरण में पूर्व पर्यावरण स्वीकृति हेतु परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑनलाईन परिवेश पोर्टल पर प्रस्तुत दस्तावेजों के प्रथम दृष्टया परीक्षण में निम्नानुसार पाया गया :–

SEAC **द्वारा** 764वीं बैठक दिनांक 06.06.2024 के कार्यवाही विवरण में लेख किया गया है कि खदान क्षेत्र का बैरियर जोन खुदा हुआ है, इसके उपरांत भी SEAC द्वारा प्रकरण में पर्यावरण स्वीकृति प्रदान किये जाने की अनुशंसा की गई है। भारत सरकार MoEF&CC के कार्यालयीन ज्ञापन दिनांक 08.04.2019 के बिन्दु कमांक VIII के बिन्दु । में स्पष्ट लेख है कि 7.5 मीटर का बैरियर जोन ग्रीन बेल्ट हेतु अनिवार्य है। प्रश्नाधीन प्रकरण में बैरियर जोन खुदा होने के बाद भी अनुशंसा की गई।

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (SEIAA) द्वारा प्रकरण में पर्यावरणीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा व परामर्श उपरांत निर्णय लिया गया कि उपरोक्त दृष्टिगत प्रकरण पुनः परीक्षण हेतु SEAC को अग्रेषित किया जाये। तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को सूचित किया जाये।

प्रस्तावित खदान बी–2 श्रेणी के अन्तर्गत जारी पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति से संबंधित है, जिसमें आज दिनांक 28/04/2025 को परियोजना प्रस्तावक के पर्यावरणीय सलाहकार के प्रतिनिधि श्री प्रदीप लोधी उपस्थित हुए और समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया।

- प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने प्रकरण के परीक्षण दौरान पाया कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा डिया द्वारा जारी ईसी की शर्तों का पालन जैसे कि लीज एरिया के चारो ओर नियमानुसार वृक्षारोपण, गारलैण्ड ड्रेन आदि का निर्माण नहीं किया जाना पाया गया एवं प्रस्तुत खसरा मेपिंग माईनिंग प्लान में प्रदर्शित कोर्डिनेट के अनुसार नहीं पाई गई। परिवेश पोर्टल पर संबंधित प्रकरण की केएमएल फाईल भी स्पष्टतः प्रोजेक्ट से संबंधित नहीं पाई गई।

डिया द्वारा जारी ईसी की शर्तों के पालन प्रतिवेदन के संबंध में परियोजना प्रस्तावक को निर्देश दिये कि शर्तों का पालन सुनिश्चित कराकर उनकी जियोटेग फोटोग्राफ्स प्रस्तुत करें ताकि प्रकरण पर विचार किया जा सके ।

10 <u>Case No. 3280/2015 Shri Manoj Jain, Village-196 Gogapur, Tehsil-Mahidpur, District-Ujjain (MP)-456443 Prior Environment Clearance for approval of Stone Quarry in an area of 1.00 ha. (9,120 cum/year) at Village-Kanakhedi Eklaspur, Tehsil-Mahidpur, District-Ujjain (MP) [3716]. EC Extension .</u>

प्रकरण आज सेक की 788वीं बैठक दिनांक 28/04/25 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक / उनके पर्यावरणीय सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए ना ही वर्चुअल संपर्क किया गया। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक से प्रस्तुतीकरण हेतु अनुरोध प्राप्त होने के पश्चात प्रकरण की समीक्षा हेतु विचार किया जा सकेगा ।

11. <u>Case No P2/1148/24 Shri Vipin Narendra Kandhari, Director, DRK The Crest by Sahil Group M/s JK Horizon LLP., 403-404, Block Infinite, Shivneri Sahil Empire, Bicholi Mardana, Indore, (M.P.) – 452001 . Prior Environment Clearance for PROPOSED CONSTRUCTION OF "DRK The Crest by Sahil Group" Project at Khasra No. - Survey No. 41/3/1,41/4/2,42/1/1,42/2/1 and 43/1/1 Village Mayakhedi, Tehsil - Kanadiya Bypass Road, Indore (M.P.), Total Project Area – 2.476 ha., Built up Area – 63,613.80 sq mt., Cat. - 8(a). Building and Construction projects. SIA/MP/INFRA2/ 518947/2024.Query reply. B-2 case.</u>

प्रकरण आज सेक की 788वीं बैठक दिनांक 28/04/25 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक / उनके पर्यावरणीय सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए ना ही वर्चुअल संपर्क किया गया। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक से प्रस्तुतीकरण हेतु अनुरोध प्राप्त होने के पश्चात प्रकरण की समीक्षा हेतु विचार किया जा सकेगा ।

12. <u>Case No 9899/2023 Shri Manmohan Kochhar, Proprietor, M/s Elite Engineers, 48, Narmada Road, Opposite Johnson Towers, District-Jabalpur (MP) Prior Environment Clearance for "Common Biomedical Waste Treatment Facility" at Plot No.-62, 63, 64, 65 Umariya Dungariya Industrial Area, Shahpura, Umariya, District-Jabalpur, (M.P.) FoR – EIA Presentattion.</u>

- In the SEAC 645th meeting dated 15.05.2023(For TOR) wherein query was issued .
- Earlier this TOR was recommonded 653rd SEAC Meeting Dated 15/06/2023.
- PP & their Env. Consultant were absent in the 785th SEAC Meeting dated 15/04/2025.

The proposed project is for setting up of common bio-medical waste treatment facility and project falls under Category "B" Projects of activity7(da)asperEIA Notification dated14th September, 2006 and its subsequent amendments dated 17thApril 2015, under Bio- Medical Waste Treatment Facilities.

The case was presented by Env. Consultant Mr. P. Kumar Ranjan, M/s VisionTek Consultancy Pvt. Ltd and PP Shri Manmohan Kochar wherein following submission made:

This is case of Prior Environment Clearance for Proposed Common Waste Treatment Facility (CBWTF) at Plot No.- 62,63,64,65 Umariya Dungariya Industrial Area Phase -II Jabalpur (MP) The proposed project is for setting up of common bio-medical waste treatment facility and project falls under Category "B" Projects of activity7(da)asperEIA Notification dated14th September, 2006 and its subsequent amendments dated 17thApril 2015, under Bio- Medical Waste Treatment Facilities.

M/s Elite Engineer is operating one unit in the Jabalpur city which is established around 21 years back with 100 kg per hr . The existing plant become old and to comply the new norms of CPCB, an new project of Incinerator of 200 +100 kg/hrs.(fixed hearth based) with chimney and effluent treatment plant is proposed at Plot No 62,63,64,65 UmariyaDungariya Industrial Area Phase -II Jabalpur (MP) . Proposed project is setting up of the Common Bio-medical Waste Treatment Facility includes Incinerator, (200 + 100 kg/hr) Autoclave, Shredder, Plastic Extruder system and Effluent Treatment Facility. The existing unit shall be closed off once the new unit at new site will be in operation.

A Common Bio-medical Waste Treatment Facility (CBWTF) is a set up where bio-medical waste, generated from a number of healthcare units, is suitably treated to reduce adverse effects that this waste may pose. The treated waste may finally be sent for disposal in a TSDF.

Proposed project of setting up of the Common Bio-medical Waste Treatment Facility **with following configuration**

Sl. No.	Equipment	Number	Installed Capacity
1	Incinerat0r	2 Nos.	200 +100 kg/hr.
2	Auto clave	1+1Nos.	200 Lit/Charge
3	Shredder	1+1Nos.	50kg/hr.
4	Effluent Treatment Plant	1Nos.	10 KLD
5	Plastic Extruder System	1 No	250kg/hr.

Following are the details of the waste generation in Jabalpur . No Other CBWTF is in operation in the Jabalpur area.

Per Day Generation.

Yellow Catagory – Incinerable – **(700-800 Kg)**
Red Catagory – Recycler – **(400-500 Kg)**
Blue Category – Recycler – **(250-300 Kg)**
White Category – Recycler – **(0.500-1 Kg)**

Total Quantity Of – **(1500-1600 Kg)**
Considering the above generation, the project is proposed with adequate capacity

Salient Features of the Project:

	Salient Feature Of The Project	
SN.	Particulate	Description
1.	Name of the proponent with Address	Elite Engineers
2.	Email Id with Phone Number	Eliteengineers48@gmail.com 9425153825
3.	Project capacity	200 + 100 kg
4.	Khasara No. & Location of the project	Plot no 62,63,64,65 Umariya-dungariya Industrial area Jabalpur (MP)
5.	Geographic Location	23° 2'56.14"N- 23° 2'58.02"N 79°46'55.12"E - 79°46'58.41"E
6.	Operation days	365days
7.	Fresh water Requirement	11.80 KLD

8.	Source of water	Overhead Tank of Industrial Area
9.	Electricity Load and Source	90 KVA
10.	DG	60 KVA
11.	Effluent treatment System Detail	10 Kl per Day
12.	Man-power	26 no
13.	Total project cost	3.30 CR
14.	Land acquired	5000 sq mtrs
15.	Land required for proposed plant	11225 sq ft
16.	Proposed area for plantation	1650 sq mtrs
18.	Capital Cost for Environmental measures	46.10 Lacs

Land Use of the Site

Land use Break-Up for proposed unit	
Particulars	**Area (Sq. m.)**
Plant and Machineries	557.4182
Office and administration	55.7418
Waste storage area	1393.5456
Fuel storage area	18.5806
Road	371.6122
Green belt area	1640.6677
Sub Total	4037.5661
Open Land	962.4337
Total Land	5000.00

Water Balance for proposed project

Water Balance		
Items	Water Consumption (KLD)	Waste Water Generation (KLD)
Unit	Proposed	Proposed
Incineration (Quencher & Scrubber)	4200 ltr	4000 ltr
Floor washing	1600 ltr	1360 ltr
Vehicle washing	2000 ltr	1800 ltr
Steam Generation	200 ltr	Nil

Green Belt	1000 ltr	Nil
Others (For Bathing of drivers and staff)	2800 ltr	2500 ltr
Total	11800 ltr	9660 ltr

Waste Management

Solid wastes shall be generated in the form of Incineration ash from Incinerator, ETP sludge from ETP process and used oil from the plant utility. Following steps shall be taken;

- Incineration ash and ETP sludge will be sent to authorized TSDF site
- Used oil will be properly stored and it will be re-used as lubricants in the machineries within the premises only in case required shall be sent to authorised recyclers.
- Record of solid waste generation and disposal shall be maintained.
- All Necessary precaution shall be taken during handling, loading and unloading of solid waste.
- Zero liquid discharge treatment system shall be provided. The Capcity of the ETP shall be kpet as 15 KLD against the waste water generation of 9.6 KLD.

The presentation, submission made by the PP were found to be satisfactory and acceptable hence **the case is recommended for grant of Prior Environment Clearance for Common Bio Medical Waste Treatment Facility 200 +100 Kg/Hrs Of Incineration At Plot No.- 62,63,64,65 Umariya Dungariya Industrial Area Phase -II Jabalpur (MP) Proposed By M/S Elite Engineer Jabalpur (MP) under 7(da) for Common Biomedical Waste Treatment, Storage and Disposal Facilities (CBWTF) subject to the following special conditions:**

I. Statutory Compliance

Sl. No.	Equipment	Number	Installed Capacity
1	Incinerator	2 Nos.	200 +100 kg/hr.
2	Auto clave	1+1Nos.	200 Lit/Charge
3	Shredder	1+1Nos.	50kg/hr.
4	Effluent Treatment Plant	1Nos.	15 KLD
5	Plastic Extruder System	1 No	250kg/hr.

i. The project proponent shall obtain Consent to Establish/Operate under the provisions of Air (Prevention & Control of Pollution) Act, 1981 and the Water (Prevention & Control of Pollution) Act, 1974 from the concerned State Pollution Control Board/Committee.

ii. Transportation and handling of Bio-medical Wastes shall be as per the Biomedical Wastes (Management and Handling) Rules, 2016 including the section 129 to 137 of Central Motor Vehicle Rules, 1989.

iii. Limitation of discharge of oil hazardous substance in harmful quantities-
The PP shall not discharge oil or other Hazardous Substance in quantities defined as harmful in relevant regulations in natural water course. Nothing shall be deemed to precludethe institution of any legal action nor relive the applicant from any responsibilities, liabilities or penalties to witch the applicantus or may be subject to clauses.

iv. Project shall obtain the necessary permission from the Central Ground Water Authority, in case of drawl of ground water.

v. All other statutory clearances such as the approvals for storage of diesel from Chief Controller of Explosive, Fire Department Civil Aviation Department shall be obtained, as applicable by project proponent from the respective competent authorities/concerned departments.

II. **Air quality monitoring and preservation**

i. The project proponent shall install emission monitoring system including Dioxin and Furans to monitor stack emission with respect to standards prescribed in Environment in Environment (Protection) Rules, 1986 through labs recognized under Environment (Protection) Act, 1986 or NABL accredited laboratories.

ii. Ambient Air quality monitoring in and around the site including VOC, HC shall be carried out as per direction of CPCB/ MPPCB.

iii. Incineration plant shall be operated (combustion chambers) with temperature, retention time and turbulence, so as to achieve Total Organic Carbon (TOC) consent in the slag and bottom ashes less than 3% or their loss on ignition is less than 5% of the dry weight of the materials as specified under rules /guidelines laid down by CPCB/MPPCB.

iv. Adequate air pollution control system should be provided with the incinerator to arrest the gaseous emission with stack of adequate height (Minimum 30 meters) to control particulate emission.

v. Appropriate Air Pollution Control (APC) system shall be provided for fugitive dust from all vulnerable sources, so as to comply prescribed standards. All necessary air pollution Control devises (quenching, venturi scrubber, mist eliminatory) should be provided for compliance of emission standards.

vi. Masking agents should be used for odour nuisance control.

III. **Water quality monitoring and preservation**

i. The project proponent shall install effluent monitoring system with respect to standards prescribed in Environment (Protection) Rules, 1986 through labs

recognized under Environment (Protection) Act, 1986 or NABL accredited laboratories.

ii. Waste water generated from the facility shall be treated in the inhouse ETP and record shall be maintained. The water quality of treated effluent shall meet the norms prescribed by State Pollution Control Board.

iii. Process effluent /any waste water should not be allowed to mix with storm water.

iv. Total fresh water use shall not exceed the proposed requirement (11.80 KLD) as provided in the project details. the waste water generation shall not exceed 9.6 KLD.

v. Zero liquid discharge treatment system shall be provided. The Capcity of the ETP shall be 15 KLD.

vi. Web based camera shall be installed to monitor the ZLD condition.

vii. The leachate, if any, from the facility shall be collected and treated in ETP to meet the prescribed standards before disposal.

viii. A drain all along the boundary wall shall be made, and shall be connected to settling tank to protect the flow of contaminants towards nearby land.

ix. Run-off from upstream areas will be diverted to settling tank (5mLX5mWX5D) within the premises through storm water drains and check dam shall be made at down side of the hillock.

x. The run-off generation will be minimized by diverting run-off from areas external to the plant to storm water discharge points;

IV. **Noise monitoring and prevention**

i. The ambient noise levels should conform to the standards prescribed under E(P)A Rules, 1986 viz. 75 dB(A) during day time and 70 dB(A) during night time.

ii. The sources of noise generation will Incinerator, pumps, Compressors, etc. All machinery has been manufactured as per OSHA/MoEF guidelines. Earplugs have been provided to workers working in noise prone area.

iii. Ambient noise levels is in accordance with MoEF notification dated 14-02-2000 i.e. noise levels will be < 75 dB (A) during daytime and < 70 dB (A) during night time. No additional increase is expected.

V. **Energy Conservation measures**

i. Provide solar power generation roof tops of building, for solar light system for all common areas, street lights, parking around project area and maintain the same regularly.

ii. Provide LED lights in their offices and residential areas.

iii. Power will be required about 90 KVA which have been sourced through Madhya Pradesh Vidyut Vitaran Company Ltd.

VI. **Waste management**

i. Incinerated ash and other shredded or Autoclaved waste shall be disposed at approved TSDF and MOU made in this regard shall be submitted to the MPPCB prior to the Commencement.
ii. The solid wastes shall be segregated as per the norms of the Solid Waste Management Rules, 2016.
iii. Any wastes from construction and demolition activities related thereto shall be managed so as to strictly conform to the Construction and Demolition Rules, 2016.
iv. No landfill site is allowed within the CBWTF site.
v. Regular monitoring and analysis of nearby and nearby water body shall be carried out
vi. RCC dyke/platform should be constructed for storage of chemicals and oil drums to avoid spillage.
vii. The bio medical waste shall be stored in covered manner.
viii. The project proponent shall not store the Hazardous Wastes more than the quantity that has been permitted by the CPCB/MPPCB and disposed them as per condition of the authorization

VII. **Green Belt**

i. Green belt shall be developed as proposed in project details, with native tree in an area equal to 33% of the plant area in accordance with CPCB guidelines. The greenbelt shall be developed to cover the entire periphery of the plant.
ii. The 1650sq.mts (410 numbers of trees) of total area shall be provided for green belt development as per the details provided in the project document.5 m wide greenbelt will be developed all around the plant. Further 200 plant shall be developed along the road of industrial area.

IX. **EMP& Corporate Environment Responsibility**

i. PP have proposed Rs. 46.10 lakh as capital cost and Rs 13.25 lakh/year for recurring expenses for the EMP
ii. PP shall provide budget of Rs 7.0 Lacs under CER budget and shall be incurred as per the given proposal :-

Commitment towards need Base CER programme in terms of Physical Target		
SN	**Plan**	**Activity**

1	Infrastructure facility	Construction of one room (10feet X 15feet) with solar unit of 3 KW at roof top , Science models, instruments for awareness of the students in nearby govt primary/ middle school at village Umariya Dungariya. **Rs = 5 Lacs**
2	Medical camps	Medical camps shall be arranged twice in year at village Umariya Dungariya **Rs = 2 Lacs**

iii. The company shall have a well laid down environmental policy duly approve by the Board of Directors. The environmental policy should prescribe for standard operating procedures to have proper checks and balances and during into focus any infringements/ deviation/ violation of the environmental/ forest/ wildlife norms/condition. The company shall have defined system of reporting infringements/ deviation/ violation of the environmental/ forest/ wildlife norms/ conditions and / or shareholders / stake holders. The copy of the board resolution in this regard shall be submitted to the MoEF& CC as a part of six monthly reports.

iv. A separate Environmental Cell both at the project and company head quarter level, with qualified personnel shall be set up under the control of senor Executive, who will directly to the head of the organization.

v. Action plan for implementing EMP and environmental conditions along with responsibility matrix of the company shall be prepared and shall be duly approved by competent authority. The year wise funds earmarked for environmental protection measures shall be kept in separate account and not to be diverted for any other purpose. Year wise progress of implementation of action plan shall be reported to the Ministry/Regional Office of MOFCC along with the six monthly Compliance Report.

vi. Self environmental audit shall be conducted annually. Every three years third party environmental audit shall be carried out.

X. **Miscellaneous**

i. The project authorities must strictly adhere to the stipulation made by the State Pollution Control Board and the State Government.

ii. The project proponent shall abide by all the commitments and recommendations made in the EIA/EMP report, commitment made during Public Hearing and also that during their presentation to the Expert Appraisal Committee.

iii. No further expansion of modification in the plant shall be carried out within prior approval of the Ministry of Environment Forests and Climate Change (MoEF& CC).

iv. The above conditions shall be enforced, inter-alia under the provisions of the Water (Prevention & Control of Pollution) Act, 1974, the (Prevention & Control of Pollution) Act, 1981, the Environment (Protection) Act, 1986, Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 and the Public Liability Insurance Act, 1991 along with their amendments and Rules any other orders passed by the Hon'ble Supreme Court of India/ High Courts/NGT and any other Court of Law relating to the submit matter.

13. Case NoP2/1306/2025 Shri Pratik Shrivastava, Owner, Ward No. 02, NH 12 A, Shri Ambika Complex main Road, Bhua Bichhiya, Mandla (M.P.)Prior Environment Clearance for Bhimpar Stone Quarry in an area of 1.9 ha. (20000 cum per year) (Khasra No. 53), Village – BHIMA Tehsil – Bichhiya District-Mandla (M.P.) . SIA/MP/MIN/518349/2025.B-2.

प्रस्तावित खदान बी-2 श्रेणी के अंतर्गत पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति का है, जिसमें आज दिनांक 28/04/2025 को परियोजना प्रस्तावक के पर्यावरणीय सलाहकार श्री अंकुर शर्मा उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक का नाम व पता	श्री Pratik Shrivastava, Owner, Ward No. 02, NH 12 A, Shri Ambika Complex main Road, Bhua Bichhiya, Mandla (M.P.)	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	53 (सरकारी-नॉन फॉरेस्ट लैंड)	1.9 hectare.
स्थल	Village – BHIMA Tehsil – Bichhiya District-Mandla (M.P.)	
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के पत्र क्रमांक 1391 दिनांक 28/10/24 के द्वारा 10 वर्ष के लिए स्वीकृत ।	
ब्लास्टिंग/रॉक ब्रेकर	ब्लास्टिंग प्रस्तावित है ।	
प्रकरण की स्थिति	नया प्रोजेक्ट	
क्रेशर की स्थिति	क्रेशर लीज एरिया के अन्दर प्रस्तावित है।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा अधिकतम् उत्पादन क्षमता मुरूम- 4511 घनमीटर/वर्ष एवं पत्थर-20000 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम् उत्पादन क्षमता मुरूम- 4511 घनमीटर/वर्ष एवं पत्थर-20000 घनमीटर/वर्ष घनमीटर/वर्ष है।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1444 दिनांक 11/11/24 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है।	
राष्ट्रीय उद्यान/ अभ्यारण एसईजेड / से दूरी कोर/ जैव विविधता बफर	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1444 दिनांक 11/11/24 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र स्थित नहीं है ।	
प्रस्तावित स्थल से 250 मीटर की दूरी पर वन क्षेत्र की स्थिति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1444 दिनांक 11/11/24 अनुसार 250 मीटर की परिधि में वन क्षेत्र नहीं है ।	

तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1444 दिनांक 11/11/24 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन / सार्वजनिक भवन / शमशान घाट / राष्ट्रीय राजमार्ग / संवेदनशील क्षेत्रों जैसे: रेडियो स्टेशन, दूरदर्षन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय /नदी / तालाब / बांध / स्टॉप डैम / नहर / ग्रामीण कच्चा / पक्का रास्ता / नाला नहीं है ।
ग्राम सभा / ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत भीमा जिला मण्डला के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक-9 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन् कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
प्रस्तावित स्थत पर वृक्षों की वर्तमान स्थिति	Tree Felling - Additional tree to be planted -
प्रस्तावित खदान की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के चेप्टर-9 में सम्मिलित कर लिया गया है ।

प्रस्तुतीकरण के पश्चात् समिति द्वारा परियोजना प्रस्तावत से निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये :–

- उत्तर दिशा में 45 मीटर की दूरी पर प्राकृतिक जल स्त्रोत (नाला), 230 मीटर दक्षिण पूर्व दिशा में चेकडेम, एक अन्य दिशा में 34 मीटर की दूरी पर चेकडेम, स्थित है। अतः स्थानवार मापदण्ड के अनुसार गैर खनन क्षेत्र छोड़ते हुये संशोधित सरफेस मेप प्रस्तुत करें।
- समिति द्वारा सुझाये अनुसार संशोधित ईएमपी योजना प्रस्तुत करें।
- लीज क्षेत्र पेसा एक्ट के अन्तर्गत अधिसूचित क्षेत्र में आता है अतः पेसा ग्रामसभा की नवीन अभिमत अनापत्ति प्रस्तुत करें।
- परियोजना प्रस्तावक द्वारा बेसलाईन डाटा प्रस्तुत नहीं किया गया अतः इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक शपथ पत्र दें कि उनके द्वारा खनन कार्य के पूर्व लीज क्षेत्र का बेसलाईन डाटा मॉनिटर किया जावेगा तत्पश्चात् खनन कार्य किया जावेगा।

14. <u>Case No. P2/1307/2024 SMITA SHRIVASTAVA, Owner, NH-12 A Ambika Complex Bhua Bicchiya Tehsil- Bichhiya District- Mandla, M.P.Prior Environment Clearance for Bhimpar Stone Quarry in an area of 1.9 ha. (20000 cum per year) (Khasra No. 53), Village – BHIMA Tehsil – Bichhiya District-Mandla (M.P.) SIA/MP/MIN/518320/2025 B-2 .</u>

प्रस्तावित खदान बी-2 श्रेणी के अंतर्गत पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति का है, जिसमें आज दिनांक 28/04/2025 को पर्यावरणीय सलाहकार श्री अंकुर शर्मा उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया।

प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना के पर्यावरणीय सलाहकार ने समिति के समक्ष प्रस्तुत प्रस्तुतीकरण में कई प्रकार की कमियॉ देखी गई जिसके संबंध में सलाहकार द्वारा अनुरोध किया गया कि आवश्यक सुधार कर पुनः अन्य तिथि में प्रस्तुत किया जावेगा, जिसे समिति ने मान्य किया। समिति द्वारा खदान क्षेत्र से 200 मीटर की दूरी पर एक अन्य खदान स्थित पाई गई।

प्रस्तुतीकरण के पश्चात् समिति द्वारा परियोजना प्रस्तावत से निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये :–

- प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने प्रकरण के परीक्षण दौरान पाया कि उत्तर दिशा में 54 मीटर की दूरी पर प्राकृतिक जल स्त्रोत (नाला), 125 मीटर पूर्व दिशा में चेकडेम, 310 मीटर की दूरी पर चेकडेम, स्थित है। अतः स्थानवार मापदण्ड के अनुसार गैर खनन क्षेत्र छोड़ते हुये संशोधित सरफेस मेप प्रस्तुत करें।
- समिति द्वारा सुझाये अनुसार संशोधित ईएमपी योजना प्रस्तुत करें।
- लीज क्षेत्र पेसा एक्ट के अन्तर्गत अधिसूचित क्षेत्र में आता है अतः पेसा ग्रामसभा की नवीन अभिमत अनापत्ति प्रस्तुत करें।
- परियोजना प्रस्तावक द्वारा बेसलाईन डाटा प्रस्तुत नहीं किया गया अतः इस संबंध में परियोजना प्रस्तावक शपथ पत्र दें कि उनके द्वारा खनन कार्य के पूर्व लीज क्षेत्र का बेसलाईन डाटा मॉनिटर किया जावेगा तत्पश्चात् खनन कार्य किया जावेगा।

15. <u>Case No 10823/2023 Shri Gajendra Sikarwar, Lessee, R/o Station Road, Tehsil-Shajapur, District-Shajapur (MP)-465001. Prior Environment Clearance for Kanja Stone Quarry in an area of 4.00 ha. (22800 cum per year) (Khasra No. 880/1, 881), Village-Kanja, Tehsil-Shajapur, District-Shajapur (MP) [446111] [DEIAA] Referred Back by SEIAA. (EIA).</u>

- प्रकरण में समिति की 710वीं बैठक दिनांक 05/01/2024 को टॉर जारी करने की अनुशंसा सिया को प्रेषित की गई थी।

- सिया की 829वीं बैठक दिनांक 9/02/24 को प्रकरण को पुनः परीक्षण हेतु समिति को प्रेषित किया गया है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत अनुमोदित खनन योजना के अक्षांश देशांश के आधार गूगल ईमेज के अनुसार खनिपट्टा क्षेत्र 123 मीटर की दूरी पर विन्ड मिल परिलक्षित है विन्ड मिल से खनि पट्टा क्षेत्र की दूरी 300 मीटर निर्धारित है। प्रस्तावित खदान से बिन्ड मिल से निर्धारित दूरी छोड़ने के उपरांत खनन हेतु क्षेत्र उपलब्ध नहीं होता है। अत प्रकरण पुनः परीक्षण हेतु सेक को अग्रेषित किया जाये तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को सूचित किया जाये ।

- प्रकरण में समिति की 733वीं बैठक दिनांक 28/03/24 **में समिति ने पाया की कतिपय प्रकरण विशेष में ऊर्जा विकास निगम द्वारा दूरियों का निर्धारण विंड मिल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दुरी निर्धारित की गयी थी । इस प्रकरण विशेष में भी ऊर्जा विकास विभाग द्वारा दूरियों का निर्धारण उपर्युक्त होगा। समिति के पास 300 मीटर की दूरी के विषय में कोई मापदंड उपलब्ध नहीं है अतः सिया द्वारा उक्त प्रकरण विशेष में निर्णय लिया जावे।**

समिति की आज दिनांक 28/04/25 को समिति के समक्ष रखा गया है, जिसमें परियोजना प्रस्तावक Shri Gajendra Sikarwar,online एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री राम राघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी, बडौदा, गुजरात उपस्थित हुए। प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने प्रकरण के परीक्षण दौरान पाया कि परियोना प्रस्तावक द्वारा डिया की शर्तों का पालन जैसे कि लीज एरिया के चारो ओर वृक्षारोपण, गारलैण्ड ड्रेन का निर्माण नियमानुसार नहीं किया गया है । परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस प्रकरण की बोर्ड द्वारा सीटीओ प्राप्त है जिसकी वैधता मार्च, 2025 तक थी।

प्रस्तुतीकरण के पश्चात् समिति द्वारा परियोजना प्रस्तावत से निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये :–

- डिया द्वारा जारी ईसी की शर्तों के पालन प्रतिवेदन के संबंध में परियोजना प्रस्तावक को निर्देश दिये कि शर्तों का पालन सुनिश्चित कराकर उनकी जियोटेग फोटोग्राफ्स प्रस्तुत करें ताकि प्रकरण पर विचार किया जा सके ।

- प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने प्रकरण के परीक्षण दौरान पाया कि खदान से उत्तर–पूर्व दिशा में 80 मीटर की दूरी पर प्राकृतिक जल स्त्रोत (नाला), 118 मीटर पर उत्तर–पश्चिम दिशा में पवन चक्की एवं उत्तर दिशा में 95 मीटर की दूरी पर पक्का रोड स्थित है। अतः स्थानवार मापदण्ड के अनुसार गैर खनन क्षेत्र छोड़ते हुये संशोधित सरफेस मेप प्रस्तुत करें।
- समिति द्वारा सुझाये अनुसार संशोधित ईएमपी योजना प्रस्तुत करें।
- खदान से 123 मीटर की दूरी पर एक पवनचक्की स्थित है। अतः ऊर्जा विभाग से अनापत्ति प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करें।
- प्रस्तुत ईआईए में टॉर कम्पलाईन्स को बिन्दुवार ईआईए चेप्टर के अनुसार अंकित करें, टॉर के बिन्दुवार कम्पलाईन्स में नोटेड/रिक्त स्थान का पालन विवरण अंकित करें। ईआईए के अन्य बिन्दुओं को समिति में हुई चर्चानुसार संशोधित कर प्रस्तुत करें।
- समिति द्वारा सुझाये गये अनुसार सीईआर प्रस्तुत करें।

16. <u>Case No 1309/2025 SMT. SEEMA, W/O - SHRI RAHUL R/O- VILLAGE/POST-CHINOR, TEHSIL- CHINOR, DISTRICT- GWALIOR (M.P.) 475110, Prior Environment Clearance for BHIMBADA MURUM & M-SAND MINE with a Production Capacity of 25,000 Cubic Meter Per Annum (within 5 years). having a lease area of 2.00 hectares at Khasra No. - 154/2/Min-2, Village - Bhimbada, Tehsil - Chinor, District - Gwalior, (M.P.). SIA/MP/MIN/ 530884 /2025 (DEIAA to SEIAA). B2.</u>

प्रकरण आज सेक की 788वीं बैठक दिनांक 28/04/25 को प्रस्तुतीकरण हेतु सूचीबद्ध था, जिसमें परियोजना प्रस्तावक / उनके पर्यावरणीय सलाहकार समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए ना ही वर्चुअल संपर्क किया गया। समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि परियोजना प्रस्तावक से प्रस्तुतीकरण हेतु अनुरोध प्राप्त होने के पश्चात प्रकरण की समीक्षा हेतु विचार किया जा सकेगा ।

<u>अध्यक्ष की अनुमति से चर्चा के अन्य बिन्दु :–</u>

- Member Secretary SEAC informed that fee is being deposited at SEIAA Secretariate, so adequacy of fee shall be verified by SEIAA Secretariate.
- The project proponent shall comply the MOEF&C's O.M. dated 24 July 2024 for ensuring plantation.

(ए.ए.मिश्रा)
सदस्य सचिव

(राकेश कुमार श्रीवास्तव)
अध्यक्ष

Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:

Annexure- 'A'

Standard conditions applicable to Stone/Murrum and Soil quarries:

1. Mining should be carried out as per the submitted land use plan and approved mine plan. The regulations of danger zone (500 meters) prescribed by Directorate General of Mines safety shall also be complied compulsorily and necessary measures should be taken to minimize the impact on environment.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and fenced from all around the site. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded along with annual record of water consumed in sprinkling during Summer (February to May/June) and winter session (October to January) separately.
4. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
5. Mineral evacuation road shall be made pucca (WBM/black top) by PP.
6. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
7. Crusher with inbuilt APCD & water sprinkling system shall be installed minimum 100 meters away from the road and 500 meters away from the habitations only after the permissions of MP Pollution Control Board with atleast 04 meters high wind breaking wall of suitable material to avoid fugitive emissions.
8. Working height of the loading machines shall be compatible with bench configuration.
9. Slurry Mixed Explosive (SME) shall be used instead of solid cartridge.
10. The OB shall be reutilized for maintenance of road. PP shall bound to compliance the final closure plan as approved by the IBM.
11. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
12. Six monthly occupational health surveys of workers for Cardio-vascular & Pulmonary health, vital parameters as prescribed by concerned regulatory authority shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
13. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
14. To avoid vibration, no overcharging shall be carried out during blasting and muffle blasting shall be adopted. Blasting shall be carried out through certified blaster only and no explosive will be stored at mine site without permission from the competent authority.
15. Mine water should not be discharged from the lease and be used for sprinkling & plantations. For surface runoff and storm water garland drains and settling tanks (SS pattern) of suitable sizes shall be provided.
16. All garland drains shall be connected to settling tanks through settling pits and settled water shall be used for dust suppression, green belt development and beneficiation plant. Regular de-silting of drains and pits should be carried out.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area. PP shall take Socio-economic activities in the region through the 'Gram Panchayat'.
20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.

21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. All the mines where production is > 50,000 cum/year, PP shall develop its own website to display various mining related activities proposed in EMP & CER along with budgetary allocations. All the six monthly progress report shall also be uploads on this website along with MoEF&CC & SEIAA, MP with relevant photographs of various activities such as garland drains, settling tanks, plantation, water sprinkling arrangements, transportation & haul road etc. PP or Mine Manager shall be made responsible for its maintenance & regular updation.
24. All the soil queries, the maximum permitted depth shall not exceed 02 meters below general ground level & other provisions laid down in MoEF&CC OM No. L-11011/47/2011-IA.II(M) dated 24/06/2013.
25. The mining lease holders shall after ceasing mining operation, undertake re-grassing the mining area and any other area which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition which is fit for growth of fodder, flora , fauna etc. Moreover, a separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
26. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
27. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
28. Authorization (if required) under Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 should be obtained by the PP if required.
29. A display board (in hindi) with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
    a. Lease owner's Name, Contact details etc.
    b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
    c. Length, breadth, sanctioned depth of mine and mining time.
    d. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
    e. Method of mining (Mannual/Semi Mechanised) and Blasting or Non-blasting.
    f. Plantation and CER activities.
30. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
31. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out as per submitted plantation scheme and along the fencing seed sowing of Neem, Babool, Safed Castor etc shall also be carried out.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. Before onset of monsoon season as per submitted plantation scheme fruit bearing species preferably of fodder / native shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.

36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.
37. The project proponent shall comply the MOEF&C's O.M. dated 24 July 2024 for ensuring plantation.
38. **लीज क्षेत्र के अंदर में केवल केशर /एम–सेंड प्लांट स्थित है, परियोजना प्रस्तावत निम्न शर्तों का पालन करेगा।**
    - खनन क्षेत्र में प्रस्तावित माईन आधारित केशर प्लान्ट/एम.सेड प्लांट हेतु म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से नियमानुसार स्थापना एवं संचालन सम्मति प्राप्त करना होगी।
    - म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की दिशा निर्देशों के अनुसार प्रस्तावित केशर प्लान्ट/एम.सेड प्लांट में स्लरी प्रबंधन तथा वायु प्रदूषणरोधी उपकरणों की स्थापना सुनिश्चित की जावेगी।
39. **कशर अथवा एम सेंड प्लान्ट प्रस्तावित नही है ,परियोजना प्रस्तावत निम्न शर्तों का पालन करेगा।**
    - परियोजना प्रस्तावक के अनुसार लीज क्षेत्र में केशर प्लान्ट/ एम.सेड प्लांट प्रस्तावित नही है, अतः लीज क्षेत्र में केशर प्लान्ट/एम.सेड प्लांट स्थापित करने की अनुमति नही दी जा सकेगी।
    - खनन क्षेत्र से बाहर प्रस्तावित माईन आधारित केशर प्लान्ट/एम.सेड प्लांट हेतु म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से नियमानुसार स्थापना एवं संचालन सम्मति प्राप्त करना होगी।
    - म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की दिशा निर्देशों के अनुसार प्रस्तावित केशर प्लान्ट/एम.सेड प्लांट में स्लरी प्रबंधन तथा वायु प्रदूषणरोधी उपकरणों की स्थापना सुनिश्चित की जावेगी।

40. **यदि आवंटित खनन पट्टा भू–स्वामी की सहमति /अनुबंध पर हो तो परियोजना प्रस्तावत निम्न शर्तों का पालन सुनिश्चित करेगा।**

1. <u>क्षतिपूर्ति के संबंध में:–</u>

- म.प्र. भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 247 (5) के तहत संबंधित जिला कलेक्टर द्वारा भूमि स्वामियों की क्षतिपूर्ति के निर्धारण हेतु किये गये प्रावधानों/उपबंधों का पालन भूमि स्वामियो को समक्ष में सुनकर भूमि के सतह अधिकार के संबंध में क्षतिपूर्ति का निर्धारण सुनिश्चित किया जाये।
- म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 9 (क) एवं नियम,06(क) के प्रावधान अंतर्गत कण्डिका 04 में किये गये प्रावधानों के अनुरूप सहमति धारक को उत्खनन पट्टा स्वीकृत होने पर, देय रॉयल्टी के 15 प्रतिशत के समतुल्य रकम का सहमति धारक को भुगतान सुनिश्चित किया जाये। उपरोक्त शर्तो का पालन भू–प्रवेश अनुमति के पूर्व सुनिश्चित किया जावें।

Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:

Annexure- 'B'

Standard conditions applicable for the Sand Mine Quarries*

1. District Authority should annually record the deposition of sand in the lease area (at an interval of 100 meters for leases 10 ha or > 10.00 ha and at an interval of 50 meters for leases < 10 ha.) before monsoon & in the last week of September and maintain the records in RL (Reduce Level) Measurement Book. Accordingly authority shall allow lease holder to excavate only the replenished quantity of sand in the subsequent year.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Only registered vehicles/tractor trolleys with GPS which are having the necessary registration and permission for the aforesaid purpose under the Motor Vehicle Act and also insurance coverage for the same shall alone be used for said purpose.
5. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
6. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
7. Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometer (1Km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.
8. Mining depth should be restricted to 3 meters or water level, whichever is less and distance from the bank should be 1/4th or river width and should not be less than 7.5 meters. No in-stream mining is allowed. Established water conveyance channels should not be relocated, straightened, or modified.
9. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
10. PP shall carry out independent environmental audit atleast once in a year by reputed third party entity and report of such audit be placed on public domain such audits be placed on public domain through website developed for public interface along with photographs of work done w.r.t. EMP as well as CER.
11. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
12. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 and Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining, 2020 issued by the MoEF&CC ensuring that the annual replenishment of sand in the mining lease area is sufficient to sustain the mining operations at levels prescribed in the mining plan.
13. If the stream is dry, the excavation must not proceed beyond the lowest undisturbed elevation of the stream bottom, which is a function of local hydraulics, hydrology, and geomorphology.
14. After mining is complete, the edge of the pit should be graded to a 2.5:1 slope in the direction of the flow.
15. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
16. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
17. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights. All these facilities such as rest shelters, site office etc. Shall be removed from site after the expiry of the lease period.
18. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020 and these details should be provided in Annual Environmental Statement.
19. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
20. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.

21. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
22. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
23. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
24. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
25. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
26. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M dated 16/01/2020.
27. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
28. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
    a. Lease owner's Name, Contact details etc.
    b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
    c. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
    d. Minable Potential of sand mine.
    e. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
    f. Method of mining (Mannual/Semi Mechanised)
30. Following conditions must be implemented by PP in case of sand mining as per NGT (CZ) order dated 19/10/2020 in OA NO. 66/2020 and SEIAA's instruction vide letter No. 5084 dated 09/12/2020.
    i. The Licensee must use minimum number of poclains and it should not be more than two in the project site.
    ii. The District Administration should assess the site for Environmental impact at the end of first year to permit the continuation of the operation.
    iii. The ultimate working depth shall be 01 m from the present natural river bed level and the thickness of the sand available shall be more than 03 m the proposed quarry site.
    iv. The sand quarrying shall not be carried out blow the ground water table under any circumstances. In case, the ground water table occurs within the permitted depth at 01 meter, quarrying operation shall be stopped immediately.
    v. The sand mining should not disturb in any way the turbidity, velocity and flow pattern of the river water.
    vi. After closure of the mining, the licensee shall immediately remove all the sheds put up in the quarry and all the equipments used for operation of sand quarry. The roads/pathways shall be leveled to let the river resume its normal course without any artificial obstruction to the extent possible.
    vii. The mined out pits to be backfilled where warranted and area should be suitable landscaped to prevent environmental degradation.
    viii. PP shall adhere to the norms regarding extent and depth of quarry as per approved mining plan. The boundary of the quarry shall be properly demarcated by PP.

31. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the river banks for bank stabilization and to check soil erosion while on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.

33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.
37. As per Enforcement and Monitoring Guidelines for Sand Mining 2020 , Page no. 24 Para (r) minimum 7.5 meters (inward) "from the river…….bank" shall be restricted should be followed in verbatum as the para says.
38. The project proponent shall comply the MOEF&C's O.M. dated 24 July 2024 for ensuring plantation.
39. विगत वर्षो में जारी पूर्व पर्यावरण स्वीकृति में एवं वर्तमान में जारी पर्यावरण स्वीकृति में उल्लेखित समस्त शर्तो का पालन मध्यप्रदेश स्टेट माईनिंग कॉर्पोरेशन द्वारा सुनिश्चित किया जावेगा।

पूर्व एवं वर्तमान ई.सी. शर्तो का पालन प्रतिवेदन निर्धारित समयावधि में एम.ओ.ई.एफ. एण्ड सी.सी. तथा एम.पी. सिया, के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।